'नीलाम खानों को परिचालन में लाने के लिए राज्य सरकार गंभीर'

- संबंधित विभाग व स्टेक होल्डर्स को खान विभाग ने उपलब्ध कराया साझा मंच
- चैक लिस्ट, एसओपी और एम्पेनल्ड कंसलटेंस की सूची कराई जाएगी उपलब्ध

जयपुर। खान, भू विज्ञान एवं पेट्रोलियम के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा है कि प्रमुख खनिजों की नीलामी में समूचे देश में अग्रणी होने के साथ ही अब नीलाम खानों को परिचालन में लाने में भी राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो जाएगा। अगले तीन से चार माह में आवश्यक अनुमतियों की औपचारिकताएं पूरी कराकर करीब 10 प्रधान खनिज खानों को परिचालन में लाया जा सकेगा। उन्होंने स्टेक होल्डर्स से भी कहा कि वे तय समय सीमा में आवश्यक औपचारिकताएं व सबंधित स्थानों पर आवेदन प्रस्तुत करें ताकि समय पर अनुमतियां जारी हो सके।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त बुधवार को आरआईसी में खान, वन एवं पर्यावरण, सीया, जीएसआई, आईबीएम व स्टेक होल्डर्स के साझा मंच को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीलाम खानों को जल्द से जल्द परिचालन में लाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि संबंधित विभाग परस्पर सहयोग व समन्वय से नीलाम खानों को आवश्यक अनुमतियां जारी कर परिचालन के समन्वित प्रयास करें ताकि प्रदेश में खनिज क्षेत्र में निवेश, रोजगार और राजस्व में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने बताया कि 2016 से नीलामी प्रावधान के बाद से अब तक केवल 5 खानों में कार्य आरंभ हो सका है। हमारा प्रयास है कि अगले माहों में प्राथमिकता से कार्य करते हुए 10 नई खानों में कार्य आरंभ हो जाएं। रविकान्त ने कहा कि स्टेक होल्डर्स अनुमतियों के लिए आवश्यक आवेदन करने में अनावश्यक देरी ना करे।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त (दांये) वन एवं पर्यावरण, सीया, जीएसआई, आईबीएम व स्टेक होल्डर्स के साझा मंच को संबोधित किया।

रविकान्त ने सीया से आग्रह किया कि वै एक मानक चैक लिस्ट उपलब्ध करादें ताकि स्टेक होल्डर्स द्वारा उसी के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सके। इसी तरह से अन्य अनुमतियों की भी एसओपी उपलब्ध हो जाए तो स्टेक होल्डर्स उसके अनुसार कार्रवाई कर सके। उन्होंने भारत सरकार के पर्यावरण स्वीकृति के पहले स्टडी के भारत सरकार के अनुमोदित सलाहकारों की सूची भी उपलब्ध करा दें व आवश्यकता समझे जाने पर स्टेक होल्डर्स व सलाहकारों का ओरियंटेशन भी करवाया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित संस्थाओं से आग्रह किया कि नीलाम खानों की अनुमतियों के लिए प्राप्त प्रस्तावों पर प्राथमिकता से निर्णय ले ताकि समय पर आवश्यक अनुमतियां जारी होने से परिचालन आरंभ हो सके।

वन विभाग से नोडल अधिकारी अरुण प्रसाद, सीया के सदस्य सचिव विजय एन ने आवश्यक औपचारिकताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और चेक लिस्ट उपलब्ध कराने पर सहमति दी।

मिलावट के लंबित मामलों के निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के केन्द्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन ने कहा कि राजस्थान में मिलावट रोकथाम एवं खाद्य सुरक्षा को लेकर सेंपलिंग कार्यवाही के साथ-साथ आमजन में खाद्य सुरक्षा के प्रति जन-जागरुकता के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से आमजन में जागरूकता बढ़ी है तथा मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हो रही है। उन्होंने मिलावट रोकने के लिए दर्ज किए जा रहे केसेज की जानकारी ली एवं इनके त्वरित निस्तारण के साथ सतत निगरानी के निर्देश दिए।

केन्द्रीय सीईओ कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में उन्होंने मिलावट रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत किए जा रहे प्रयासों, लम्बित केसेज, मैनपॉवर सहित विभिन्न मामलों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन के दैनिक खाद्य पदार्थों में शामिल घी, दूध, पनीर मसाले जैसे पदार्थों के सेंपल नियमित रूप से लिए जाएं।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्तों को सजा

- नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त सतपाल सिंह और अपराध में सहयोगी रहे बंटी कुमार को दस-दस साल की सजा सुनाई

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2, महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त सतपाल सिंह और अपराध में सहयोगी रहे बंटी कुमार को दस-दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अपहरण में शामिल रिजवान व मुकेश को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। अदालत ने अभियुक्तों को अर्थदंड से भी दंडित किया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने फैसले में कहा कि साक्ष्यों से साबित है कि अभियुक्त सतपाल सिंह ने सह अभियुक्तों रिजवान व मुकेश के साथ मिलकर नाबालिग पीडिता का अपहरण किया। वहीं सतपाल ने उसके साथ ज्यादती की। इस घृणित अपराध में अभियुक्त बंटी ने सहयोग किया और उसे दुष्कर्म के लिए कमरा मुहैया कराया। ऐसा घृणित कृत्य करने वाले अभियुक्तों के प्रति कोई नरमी नहीं बरत सकते।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि पीडिता के पिता ने 4 अप्रैल, 2019 को आमेर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि 3 अप्रैल की रात 9 बजे से उसकी नाबालिग बेटी घर से गायब है। तलाश करने पर भी नहीं मिली है, उसे आशंका है कि सतपाल उसकी नाबालिग बेटी बहला-फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर पीडिता को बरामद किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि रात को घर के बाहर घूमने के दौरान दो मुकेश व रिजवान उसके मुहं पर कपडा डालकर आमेर ले गए। उन्होंने उसे सतपाल के सुपुर्द कर दिया। सतपाल उसे सिंधी कैंप से बीकानेर ले गया।

महिला की चेन तोड भागे बाइक सवार बदमाश

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में बाइक सवार बदमाश एक महिला के गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड फरार हो गए। महिला ने संभलते हुए हल्ला मचाकर बदमाशों को पकड़ने की गुहार लगाई। लेकिन बदमाश तेज गति से भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर इलाके में नाकाबंदी भी करवाई,लेकिन बदमाशों को कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की तलाश कर रही है।

जांच अधिकारी एसआई वंदना ने बताया कि महावीर प्रसाद शर्मा निवासी शिव शक्ति नगर मुहाना ने मामला दर्ज करवाया है कि मंगलवार की दोपहर को उसकी पत्नी घर से कुछ दूरी के पास से खेजडो का बास की तरफ से आ रही थी। इस दौरान बाइक सवार बदमाश पीछे आए और अचानक उसके गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर भाग गए। एकाएक हुई घटना को महिला कुछ समझ पाती इससे पहले ही बाइक सवार बदमाश गलियों से होते हुए निकल गए।

सहकारिता क्षेत्र में मठाधीशों को अब अपने पदों के जाने का सता रहा है डर : मदन राठौड़

- 'सहकारिता में आमजन की सहभागिता बढ़ने से कांग्रेसी मठाधीशों का पुराना वर्चस्व टूटेगा'
- भजनलाल सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए बना रही है योजनाएं, इससे आमजन हो रहा है सशक्त और समृद्ध : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने दादिया में गुरुवार को आयोजित होने वाले "सहकार एवं रोजगार उत्सव" को लेकर बुधवार को सभा स्थल पर पहुँचकर तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मदन राठौड़ ने मीडिया को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में वर्षों से जमे हुए मठाधीशों को अब अपने पदों के जाने का डर सता रहा है। राठौड़ ने कहा कि "सहकारिता विभाग में कांग्रेस के लोग वर्षों से मठाधीश बनकर बैठे थे, लेकिन अब आम नागरिक भी इस प्रक्रिया में भाग ले रहा है, चुनाव लड़ रहा है, और इससे लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ रही है। इससे सहकारिता क्षेत्र और भी मजबूत होगा।"

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की जड़ें अब खोखली हो रही हैं। सहकारिता में आमजन की सहभागिता बढने पर कांग्रेस को डर है कि आमजन की भागीदारी से उनका पुराना वर्चस्व टूट जाएगा, इसलिए वे कार्यक्रम का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार नहीं करते, वे सेवा करते हैं। जनता स्वेच्छा से उनके साथ खड़ी होती है क्योंकि उन्होंने जनाधार को मजबूत किया है। जनता अब मांग नहीं करती, सेवा व विकास देखकर स्वयं समर्थन देती है। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग का उद्देश्य सबको जोड़ना और सबके लिए काम करना है, इसमें पैक्स , कृषि समितियां, दुग्ध समितियां, कोऑपरेटिव बैंक आदि क्षेत्र शामिल हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अलग प्रदेश की मांग करने वाले बयान पर कहा कि जातिगत आधार पर अलग प्रदेश की मांग करना समाज को तोड़ने वाली प्रवृत्ति है, मांग समग्र समाज के हित में होनी चाहिए। चार राज्यों को तोड़कर नया राज्य बनाना केवल एक कल्पना है, यह संभव नहीं है। प्रदेश की भजनलाल सरकार समग्र विकास के लिए योजनाएं बना रही है, जिससे आमजन सशक्त और समृद्ध हो रहा है। ऐसे में जिनकी राजनीति खत्म हो चुकी है, वे अब जनता के कंधों पर बंदूक रखकर अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं, लेकिन यह अधिक दिन नहीं चलेगा।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पौधारोपण अभियान को लेकर कहा कि मानसून में पौधों के पनपने की संभावना अधिक होती है।

मानवरूपी रोबोट ने जयपुर में नए छात्रों का स्वागत किया

जयपुर । एक उल्लेखनीय और भविष्योन्मुखी आयोजन में, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर ने शैक्षिणक वर्ष 2025 के लिए अपने नए बैच के छात्रों का स्वागत एक - संचालित मानवरूपी रोबोट के साथ किया, जिसने ओरिएंटेशन दिवस समारोह के दौरान छात्रों का स्वागत किया और उनके परिवारों से बातचीत की। इस अभिनव स्वागत ने इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फिजियोथेरेपी और कंप्यूटर एप्लीकेशन सहित विभिन्न विषयों में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत की। इस कार्यक्रम ने शिक्षा में अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया और छात्रों को तकनीक-संचालित भविष्य के लिए तैयार करने के जयपुर के दृष्टिकोण की पुष्टि की।ओरिएंटेशन दिवस में नए छात्रों, उनके अभिभावकों, सम्मानित संकाय सदस्यों और उद्योग एवं शिक्षा जगत के गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यूईएम के रोबोटिक्स और एआई इनोवेशन लैब द्वारा आंतरिक रूप से विकसित यह ह्यूमनॉइड रोबोट, विश्वविद्यालय की तकनीकी बढ़त और छात्रों को इंडस्ट्री 4.0 और उससे आगे के लिए तैयार करने पर इसके फोकस का प्रतीक था। छात्र इस अनोखे कदम से बेहद उत्साहित थे, जिसमें गर्मजोशी और नवाचार का मिश्रण था और उन्हें अपनी शैक्षिणक यात्रा में आगे क्या है, इसकी एक झलक मिली।

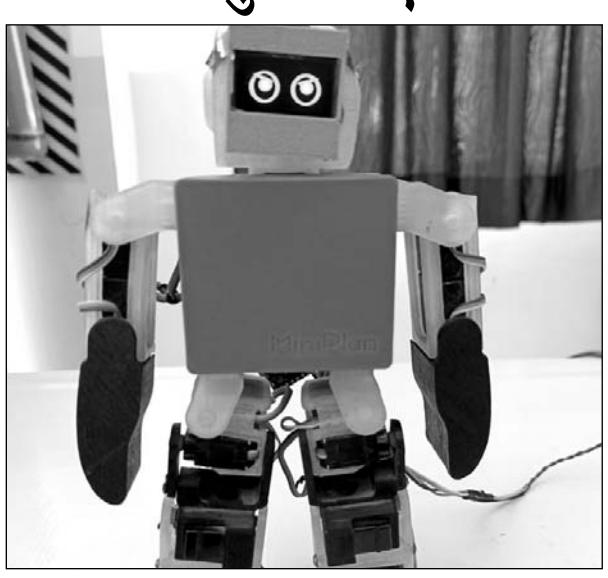

रोबोट ने ओरिएंटेशन दिवस समारोह के दौरान छात्रों का स्वागत किया।

छात्रों को संबोधित करते हुए, यूईएम जयपुर की माननीय कुलपति प्रो. बनानी चक्रवर्ती ने कहा, "शिक्षा केवल डिग्री के बारे में नहीं है; यह खोज, नवाचार और समाज की सेवा के बारे में है। यूईएम जयपुर में, हम ऐसे दिमागों का पोषण करते हैं जो प्रश्न करते हैं, सृजन करते हैं और नेतृत्व करते हैं। यह एक ऐसी यात्रा की शुरुआत है जो आपको भविष्य को आकार देने के लिए सशक्त बनाएगी।" कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वजय चटर्जी ने विश्वविद्यालय के बहु-विषयक और प्रौद्योगिकी-एकीकृत दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया: "हमारा उद्देश्य अंत:विषय विशेषज्ञता विकसित करना है। चाहे आप इंजीनियरिंग में हों या स्वास्थ्य सेवा में, आज तकनीक एक साझा सूत्र है। हम अपने छात्रों को नवाचार करने और दुनिया भर के जीवन को प्रभावित करने वाले स्थायी समाधान बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।"

पूर्व मंत्री प्रमोद जैन के खिलाफ केसों में जांच पर रोक से इंकार

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री और बारां से पूर्व विधायक प्रमोद जैन भाया से जुड़े मामलों की जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। वहीं राज्य सरकार से मामले में जवाब मांगते हुए भाया के खिलाफ केसों में चल रही कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट बताने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भाया को कहा कि वे सभी केसों की जांच प्रक्रिया में सहयोग करें और इस दौरान उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश प्रमोद जैन भाया की एसएलपी पर दिए।

एसएलपी में भाया ने राजस्थान हाईकोर्ट के एक मई 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें हाईकोर्ट ने भाया और उनकी पत्नी सहित अन्य के खिलाफ कई पुलिस थानों में दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर उन्हें दस दिन में जांच प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कहा था। भाया की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि ये सभी एफआईआर राजनीतिक द्वेषता से प्रेरित हैं। एफआईआर 2023 के राज्य विधानसभा चुनाव के बाद दर्ज हुई हैं और एक-दूसरे से मिलती हुई व अस्पष्ट हैं। सभी एफआईआर को एक साथ कर इनकी जांच बारां के बाहर किसी आईपीएस अफसर से कराई जाए। जवाब में राज्य के एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि हर एफआईआर एक अलग घटना, तथ्य, शिकायतकर्ता और अपराध से जुड़ी है। इनमें अवैध खनन, फर्जी पट्टे जारी होना, वित्तीय गड़बड़ी और शासकीय दस्तावेजों की हेराफेरी जैसी गंभीर आर्थिक अपराध शामिल हैं। इन एफआईआर को एक साथ करना कानूनी व व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। एफआईआर अलग-अलग थानों में दर्ज हैं और जांच आगे बढ़ चुकी है ।

जयपुर की सड़कों पर जानलेवा गड्ढे, नगर निगम बना मूकदर्शक - जनता मांग रही जवाब : गिरिराज खंडेलवाल

- राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव खंडेलवाल ने कहा कि जयपुर में कोई सड़क सुरक्षित नहीं है आम आदमी दो वक्त की रोटी के साथ अब अपनी जान बचाने की जद्दोजहद भी कर रहा है, और यह सब उस शहर में हो रहा है जिसे स्मार्ट सिटी कहा जाता है

जयपुर। जयपुर की जनता आज भय और नाराज़गी के दो पाटों के बीच पिस रही है। राजधानी की सड़कों पर हालात ऐसे हैं, जैसे कोई युद्ध क्षेत्र हो - जहां हर कदम पर गड्ढा है और हर मोड़ पर हादसे का खतरा। बारिश के शुरुआती दौर में ही सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है। कहीं 200 मीटर की सड़क में 250 गड्ढे हैं, तो कहीं सड़कें पूरी तरह उखड़ चुकी हैं। लेकिन सबसे खतरनाक बात यह है कि इन हालातों पर जिम्मेदार नगर निगम पूरी तरह चुप है और भाजपा शासित प्रशासन बेफिक्र।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने इस पूरी स्थिति को 'आपराधिक लापरवाही' करार देते हुए कहा कि जयपुर में कोई सड़क सुरक्षित नहीं है। आम आदमी दो वक्त की रोटी के साथ अब अपनी जान बचाने की जद्दोजहद भी कर रहा है, और यह सब उस शहर में हो रहा है जिसे स्मार्ट सिटी कहा जाता है।

गिरिराज खंडेलवाल

खण्डेलवाल ने कहा कि यह स्थिति अचानक नहीं बनी। हर साल करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई सड़कें पहली बारिश में बह जाती हैं। घटिया निर्माण, बिना तकनीकी निरीक्षण, और कमीशनखोरी की राजनीति ने जयपुर की सड़कों को मौत के जाल में बदल दिया है। जनता की जान की कोई कीमत नहीं बची, क्योंकि नगर निगम और ठेकेदारों की जेबें पहले से भरी हुई हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब सड़कें उखड़ती हैं, जब गड्ढों में गिरकर लोग घायल होते हैं, जब एम्बुलेंस रास्ते में फंस जाती है, तब नगर निगम कहां होता है? क्या सिर्फ इवेंट्स, पोस्टर और बधाइयों के लिए ही ये संस्थाएं बनी हैं? क्या यही गुड गवर्नेंस है, जो भाजपा जनता को दिखा रही है?

खंडेलवाल ने जोर देकर कहा कि अब वक्त आ गया है कि नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों और इंजीनियरों की जवाबदेही तय हो। हर उस ठेकेदार पर कार्रवाई हो, जिसने घटिया निर्माण कर के पैसों की लूट मचाई है।

उन्होंने यह भी मांग की कि जयपुर शहर की सभी प्रमुख सड़कों का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट करवाया जाए और फंड के दुरुपयोग की जांच कर दोषियों को जेल भेजा जाए। जनता से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यह समय चुप बैठने का नहीं है - जयपुर की जनता को अब यह तय करना होगा कि वह गड्ढों में गिरेगी या जवाबदेही मांगेगी। हमें जीमण नहीं, ज़िम्मेदार शासन चाहिए। हमें दिखावे की राजनीति नहीं, धरातल पर काम चाहिए। जयपुर की सड़कों की यह दुर्दशा सिर्फ एक तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि भाजपा के उस शासन मॉडल का आईना है जिसमें जनता की समस्याएं नज़रअंदाज़ कर दी जाती हैं, और चंद पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए योजनाएं बनाई जाती हैं।

आज हर जयपुरवासी की ज़ुबान पर बस एक ही सवाल है - गड्ढों की ये गिनती कब खत्म होगी, और जवाबदेही की शुरुआत कब होगी?

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर। हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी जयपुर नगर निगम के अध्यक्ष रघुवीर शर्मा और अन्य पदाधिकारियों ने ग्रेटर निगम कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शिकायत दी है कि उपापन समिति द्वारा बिड डॉक्यूमेंट का बिना अध्ययन कर फर्म विशेष को अनुचित लाभ पहुंचाने और ठेकेदारों की प्रतिस्पर्धा खत्म करने के लिए मनमानी शर्तें लगाई जा रही है। रघुवीर शर्मा का कहना है कि आरटीपीपी एक्ट के मुताबिक डी श्रेणी के ठेकेदारों के लिए कोई शर्त नहीं लगाई जा सकती, इसके बावजूद नगर निगम के अधिकारी धड़ल्ले से अपनी मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम ग्रेटर के सभी विभागों में अनुचित शर्तें लगाकर फर्म विशेष को अनुचित लाभ पहुंचाने की कारगुजारी की जा रही है। इस कारण नगर निगम के टेंडर में भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा नहीं हो पा रही ह नगर निगम को भी करोड़ों रुपए के राजस्व की हानि हो रही है।

सार-समाचार

अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल रस्तोगी को कार्यकाल दिया

राजदीपक रस्तोगी

जयपुर। केबिनेट की नियुक्ति समिति की अनुशंषा पर माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी को ऐतिहासिक पांचवें कार्यकाल में नियुक्ति दी गई। यह नियुक्ति अभी 3 महिने के लिए दी गई है। केबिनेट नियुक्ति समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वंय है ज्ञात हो कि इससे पूर्व भी रस्तोगी को चौथा कार्यकाल दिया गया था जो अपने आप मे इतिहास था और अब पांचवा कार्यकाल देकर इतिहास पर इतिहास रच दिया है। रस्तोगी ने अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल पर 28.07.2014 को नियुक्त हुए थे और उसके पश्चात निरन्तर इस पद पर चौथी बार नियुक्त होकर इतिहास रचा था। रस्तोगी ने अपने कार्यकाल के दौरान भारत सरकार को लगभग 95 प्रतिशत केसेज में सफलता दिलाकर एवं 18000 करोड रूपये का राजस्व भारत सरकार के पक्ष में बचाकर एक इतिहास रचा है।

देवनानी से पुलिस महानिदेशक की मुलाकात

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से बुधवार को यहां विधान सभा में राजस्थान के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की। पुलिस महानिदेशक शर्मा ने विधान सभा अध्यक्ष देवनानी का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी ने इस नवीन दायित्व के लिए शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने पुलिस महानिदेशक से विधान सभा, विधायक आवास परिसर व कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान और अजमेर से संबंधित विभिन्न सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। देवनानी से भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी राजीव कुमार शर्मा की राज्य के पुलिस महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण के पश्चात यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

आयुक्त पटेल ने ली बैठक

जयपुर। हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बुधवार को भवन निर्माण शाखा कार्मिकों की बैठक ली। इस दौरान निगम आयुक्त ने बैठक में निगम अधिकारियों को अवैध निर्माणों की शिकायतों की डिटेल ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन अवैध निर्माण को सीज किया गया, वहां पर निरीक्षण कर निगरानी रखी जाएं। जिससे कि सीज के दौरान अन्य निर्माण नहीं हो सकें। इसके अलावानिरीक्षण के दौरान की सीज भवन की फोटो अपलोड की जाएं, कम से कम तीन बार की विजिट फोटो जियो टैग वाली अपलोड की जाएं। वहीं, बैठक में आयुक्त डॉ निधि पटेल ने जोन के द्वारा की जा रही अवैध निर्माणों के सीज प्रकरणों का एक रजिस्टर भी दर्ज करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शपथ पत्र देने के बाद नियमानुसार भवन की सीज खुलने के बाद भी 60 दिन तक अवैध निर्माण की मॉनिटरिंग की जाएं और रिकॉर्ड सुरक्षित रखें। साथ ही कहा कि शिकायतों के निस्तारण करते हुए निगम कार्मिकों की शिकायत मिलने पर कनिष्ठ अभियंता, गजधर और अन्य शाखा के कर्मचारियों पर की सख्त कार्रवाई जाएगी।

प्रेम जाल में फांस कर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। शास्त्री नगर थाना इलाके में रिश्तेदार युवक द्वारा प्रेम जाल में फांस कर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपित रिश्तेदार ने शादी करने का झांसा देकर घर से भगा ले जाकर देहशोषण कर वापस छोड़ दिया। इस संबंध में थाने में पीड़ित युवती ने आरोपित रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि शास्त्री नगर की रहने वाली 25 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि रिश्तेदार होने के कारण आरोपित का घर पर आना-जाना था। बातचीत के दौरान आरोपित रिश्तेदार ने उसे प्रेम जाल में फांस लिया। मिलने आने पर अकेला पाकर आरोपित ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया। शादी करने का झांसा देकर लगातार देहशोषण करता रहा। आरोप है कि शादी करने की कहकर आरोपित रिश्तेदार उसे घर से भगाकर ले गया। लिव-इन में रखकर आरोपित ने उसके साथ देहशोषण किया। जिसके बाद उसे वापस घर छोड़कर चला गया। शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपित ने मना कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

रोहिणी विहार बढारणा में 33 केवी सब-स्टेशन का कार्य पूर्ण

जयपुर। जयपुर नगर वृत्त-उत्तर के अन्तर्गत सिटी डिवीजन-7 क्षेत्र के रोहिणी विहार बढ़ारणा में 33/11 केवी सब-स्टेशन का कार्य पूर्ण कर इससे विद्युत आपर्ति प्रारम्भ कर दी गई है। इस उपकेन्द्र के निर्माण पर 4.43 करोड़ रूपए की लागत आयी है। इस सब स्टेशन को 33 केवी विद्युत सप्लाई 220 केवी जीएसएस वीकेआई और 33/11 सब-स्टेशन हरमाड़ा से की जाएगी। सब-स्टेशन से 11 केवी के सात फीडर निकाले गए हैं जिनसे देव विहार, रोहिणी विहार, बढारणा, केरियों की ढाणी, चन्दिजा की ढाणी, भगवती नर्सरी, हरमाडा घाटी एवं मनसा माता रोड़ क्षेत्र की विद्युत सप्लाई में सुधार होगाा और लगभग 8 हजार विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

आजीवन कारावास की सजा काट रहा बंदी खुली जेल से भागा

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में स्थित सांगानेर खुला बंदी शिविर से आजीवन कारावास की सजा काट रहा बंदी फरार हो गया। इस सम्बंध में खुला बंदी शिविर प्रभारी ने थाने में मामला दर्ज करवाया है।

जांच अधिकारी महिला हेड कांस्टेबल धोली बाई ने बताया कि खुला बंदी शिविर प्रभारी ने मामला दर्ज करवाया कि बंदी गोपाल लाल मीणा हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। 15 जुलाई को वह सुबह काम पर गया था शाम वह रोल कॉल पर नहीं आया। इस पर उससे सम्पर्क करने का प्रयास किया,लेकिन उसका फोन बंद आया।

आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। कानोता थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 01.01 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एसआई सुभाष ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 01.01 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित कालू उर्फ आमिर को लखेसरा रोड गिरफ्तार किया है।